Part - 1

प्रश्न 9. परिणीतामे संकलित “ विदाइ ” शीर्षक कथाक भावार्थ लिखू।

उतर - एहि कथामे वर्तमान सामाजिक , पारिवारिक जीवनक यथार्थ स्वरूपक आंकलन कैल गेल अछि। मध्यवर्गीय परिवारक बदलैत स्वरूप आ एक पीढीसँ दोसर पीढीक मनोभावकेँ आकलन प्रस्तुत कैल गेल अछि ।

पिता राममोहन बाबू सरकारी कर्मचारी छथि ओ सेवानिवृतिक अवस्थामे आबि गेल छथि । एकदम संतुलित परिवार मात्र एक बेटा अशोक आ एक बेटी सोनी

जे विवाहित अछि । अपना पतिक संग जीवन यापन क रहलीह अछि । अशोक इंजीनियर भ गेल छन्हि । ओहो नीक नोकरी करैत अछि ।परंच अशोक माय - बापकेँ सतत् अनदेख क चलि रहल अछि।

अशोक नोकरी करय लागल त मोहनबाबू केँ भेलनि जे ओ आब घरक सभ भार उठा लेत । आब हमरा कोन दायित्व अछि। सभ दायित्वसँ मुक्त भ गेलहुँ । मुदा होइत अछि उनटा अशोक अपन पत्नी आ बेटाक भ क रहि गेल अछि । माय बापक कोनो चिंत नहि । मोहन बाबूक रितायरमेंट लग आबि गेल छलनि तँ घरक अनुशासनो घट लागि गेल । पौत्र केँ

ल क पार्क मे गेल छलाह खेलाइ लेल। अपने कात मे बैसि गेलाह । तखने मन से एकटा भय भेलनि जे जँ कही सोनू कँ चोट लागि जेतय त ओकर माय - की कहाँ बाजय लागत ।

आ कहत जे सोनूक ध्यान नहि राखि सकैत छलहुँ तँ खेलाइ लेल ल किएक गेलियैक ? एतबा चिन्तन सँ सतर्क भ गेलाह । सोनूकँ हात पकड़ि घर घूरि गेलाह । अयला पर संतोष भेलनि जे अशोक आशा एखन धरि घर घूरि नहि आयल छथि । पहिने मोहनबाबू पत्नी विभासँ घरक नीक - अधलाह बतियैत छ्लाह जाहिसँ मनक भरास निकलि जाइत छलन्हि एम्हर ओ चुपि साधि लेने छलाह ।